Press Release Hand-out

झारखण्ड सहभागिता फारेस्ट परियोजना
सामाजिक आख्यान एवं सामाजिक विश्लेषण
(Social Analysis and Social Assessment)
पर
कार्यशाला एवं प्रशिक्षण
3–9 फरवरी, 2004

सारांश : झारखण्ड सरकार, विश्व बैंक के साथ सम्मिलित रूप से वन प्रक्षेत्र में सामाजिक आख्यान एवं सामाजिक विश्लेषण पर एक सप्ताह की वर्कशॉप एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित कर रही है। इस कार्यक्रम में वन विभाग तथा अन्य विभागों के वरिष्ठ सरकारी अधिकारीगण, विभिन्न स्तरों पर वन विभागों के कर्मचारी, स्वयंसेवी संस्थाऐं एवं कार्यकर्त्ता, शैक्षणिक स्तर के कार्यकर्त्ता, तथा मीडिया से जुड़े लोग भाग लेंगे। 4 फरवरी 2004, दिन बुधवार को प्रातः 10 बजे इस कार्यक्रम का उद्‌घाटन झारखण्ड राज्य के माननीय मुख्यमंत्री जी के कर कमलों द्वारा किया जायेगा।

उद्देश्य : इस वर्कशॉप के आयोजन के उद्देश्य हैं:–

(i) एक सामान्य मान्य आधार पर सामाजिक विश्लेषण जो आगे आने वाले महीनों में पूर्ण होगा तथा

(ii) सामाजिक विश्लेषण हेतु सहभागियों की क्षमता एवं दक्षता को मजबूती प्रदान करना।

प्रस्तुत परियोजना हेतु सामाजिक विश्लेषण रूपरेखा को एक दिशा प्रदान करेगा तथा व्यवस्था को लागू करने तथा मॉनीटरिंग एवं मूल्यांकन में मदद प्रदान करेगा। विश्व बैंक योजना हेतु फण्ड प्रदान करने पर विचार कर रहा है।

प्रस्तुत परियोजना के मूल्यांकन हेतु विश्व बैंक द्वारा उच्च गुणवत्ता स्तर पर सामाजिक विश्लेषण को महत्त्व दिया गया है।

पृष्ठभूमि : झारखण्ड सरकार गरीबों एवं पिछड़े समुदायों के विकास की आवश्यकताओं को पहचानने तथा उनके लिए कार्य करने को तत्पर है। इसी बात को ध्यान में रखकर सरकार द्वारा वन सहभागिता परियोजना तैयार की जा रही है जिसके तहत वन आधारित समुदायों के बीच गरीबी दूर करने के लिए विविध प्रखंडों में एक वृहत कार्यक्रम चलाया जायेगा।

विश्व बैंक से बात–चीत : विश्व बैंक प्रस्तावित सहभागिता वन परियोजना को मदद प्रदान करने पर विचार कर रहा है। तथा इस दिशा में झारखण्ड सरकार एवं विश्व बैंक द्वारा योजना प्रस्तावना तैयार की जा चुकी है एवं अन्य ऐजेंसियों, स्वयंसेवी संस्थाओं तथा स्थानीय समुदायों की सलाह भी सम्मिलित की जा चुकी है।

गरीबी दूर करने एवं सामाजिक मुद्दों पर प्रकाश : सरकार और विश्व बैंक दोनों ने ही गरीबों एवं संवेदनशील समूहों तक सेवाओं और लाभों की पहुँच पर जोर दिया है। प्रस्तावित योजना में सभी संबंधित पदधारियों द्वारा सक्रिय सहभागिता निभाई जायेगी।

परियोजना रूपरेखा में नवीनता : पूर्व की परम्परागत योजनाओं से हटकर प्रस्तावित योजना एक लोचदार परियोजना रूपरेखा के अनुरूप चलेगी जिसमें सामाजिक अध्ययनों, सलाहों एवं अन्य स्रोतों से प्राप्त आंकड़ों पर गंभीरतापूर्वक मनन करने के बाद परियोजना का खाका एवं व्यवस्था लागू की जायेगी।

सामाजिक विश्लेषण : परियोजना की रूपरेखा से संबंधित जानकारियां कई अध्ययनों एवं व्याख्यानों जैसे आर्थिक व्याख्यान, पर्यावरण अध्ययन तथा अन्य अनुसंधानों के बाद संकलित की जायेंगी। श्रेणीबद्ध सामाजिक विश्लेषण विधि इसका अहम हिस्सा है। सामाजिक अध्ययनों एवं परामर्शो के बाद निम्न तत्वों पर ध्यान दिया जायेगा :

- सामाजिक विविधता एवं लिग मुद्दे (सामाजिक सांस्कृतिक, राजनैतिक एवं ऐतिहासिक परिप्रेक्षय को जानते हुए)
- संगठनात्मक एवं संस्थागत निर्माण
- पदधारी विश्लेषण (सभी महत्त्वपूर्ण संबंध अथवा प्रभावित समूह)
- सहभागिता फ्रेमवर्क (मूल पदधारियों का जुड़ना)
- सामाजिक जोखिम (उदाहरणतः क्षमता का अभाव, जनमत का अभाव, प्रस्तावित परियोजना से पड़ने वाले प्रभावी ऋणात्मक प्रभाव)

कार्यशाला फरवरी 3–9, 2004

कार्यशाला और प्रशिक्षण कार्यक्रम छोटे–छोटे समूह में प्रस्तुतीकरण, समूह कार्य, चर्चा और व्यवहारिक क्षेत्र कार्य द्वारा संचालित किये जाएगे। इन समूह में विभिन्न संस्थाओं के प्रतिभागी होगें जो समुदाय के बीच जाकर उनकी प्राथमिकताएं और दिलचस्पी की जानकारी लेगें। पूरी कार्यशाला में प्रतिभागिता सुनिश्चित करने वाले प्रतिभागियों को डिप्लोमा प्रदान किये जायेगें।